गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 191
दि. 12.11.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान के थिम्पू में चांगलीमेथांग उत्सव मैदान में जनसभा को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज भूटान में थिम्पू के चांगलीमेथांग उत्सव मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने भूटान नरेश, महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और चतुर्थ नरेश महामहिम जिग्मे सिंग्ये वांगचुक का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने शाही परिवार के सम्मानित सदस्यों, भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम श्री शेरिंग तोबगे और उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के प्रति सम्मानपूर्वक आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भूटान, भूटान के शाही परिवार और विश्व शांति में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए बहुत अहम है। उन्होंने भारत और भूटान के बीच सदियों से चले आ रहे गहन आत्मीय और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख किया और कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाग लेना भारत की और उनकी अपनी प्रतिबद्धता थी। हालांकि, श्री मोदी ने कहा कि वे भारी मन से भूटान पहुंचे हैं, क्योंकि कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत व्यथित कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे इस घटना से पीड़ित परिवारों के दुःख को समझते हैं और पूरा देश आज उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वे घटना की जांच में शामिल सभी एजेंसियों के साथ रात भर निरंतर संपर्क में थे। उन्होंने बल देकर कहा कि भारतीय एजेंसियां पूरे षड्यंत्र की तह तक जाएंगी और आश्वासन दिया कि हमले में जिन षड्यंत्रकारियों का हाथ है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा की, घटना के लिए "ज़िम्मेदार सभी लोगों को सजा दिलाई जाएगी।"

श्री मोदी ने कहा कि आज भूटान में एक तरफ आज गुरु पद्मसंभव के आशीर्वाद के साथ वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है तो दूसरी ओर भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेषों के पवित्र दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर महामहिम चतुर्थ नरेश की 70वीं जयंती के उत्सव का भी अवसर है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों की गरिमामयी उपस्थिति भारत-भूटान संबंधों की मजबूती को दशार्ती है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि भारत में पुरखों की प्रेरणा है "वसुधैव कुटुम्बकम" - यानी पूरी दुनिया एक परिवार है। उन्होंने "सर्वे भवन्तु सुखिनः" मंत्र के माध्यम से सभी के सुखी होने की प्रार्थना दोहराई और कहा कि इस वैदिक ऋचा के माध्यम से आकाश, अंतरिक्ष, पृथ्वी, जल, औषधियों, वनस्पतियों और सभी जीवित प्राणियों में शांति व्याप्त हो। उन्होंने कहा कि भारत इन्हीं भावनाओं के साथ भूटान के विश्व शांति प्रार्थना महोत्सव में शामिल हुआ है। यहां संपूर्ण विश्व के संत एक साथ विश्व शांति के लिए प्रार्थना करने के लिए

जुटे हैं और इसमें 140 करोड़ भारतीयों की प्रार्थनाएं भी शामिल हैं। श्री मोदी ने बताया कि बहुत कम लोग जानते होंगे कि गुजरात में उनका जन्मस्थान वडनगर बौद्ध परंपरा से जुड़ा पवित्र स्थल है और उत्तर प्रदेश में उनकी कर्मभूमि वाराणसी बौद्ध श्रद्धा का शिखर है। उन्होंने कहा कि इस समारोह में शामिल होना उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत बड़ा अर्थ रखता है और यह भी कहा कि शांति का दीप भूटान और दुनिया भर के हर घर को प्रकाशित करे।

श्री मोदी ने भूटान के महामहिम चतुर्थ नरेश को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए और उनके जीवन को ज्ञान, सादगी, साहस और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा का संगम बताते हुए कहा कि महामहिम ने 16 वर्ष की अल्पायु में ही बहुत बड़ा दायित्व ग्रहण किया और पिता जैसा स्नेह देते हुए अपने दूरदर्शी नेतृत्व से देश को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि महामहिम अपने 34 वर्षों के शासनकाल में भूटान की विरासत और विकास दोनों को एक साथ लेकर चले। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना से लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति को बढ़ावा देने तक निर्णायक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि महामहिम की ओर से दिया गया "सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता" का विचार विकास को परिभाषित करने के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानदंड बन गया है। उन्होंने कहा कि महामहिम ने यह प्रदर्शित किया है कि राष्ट्र निर्माण केवल सकल घरेलू उत्पाद से नहीं बल्कि मानवता की भलाई से होता है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के बीच मैत्री को मजबूत करने में भूटान के चतुर्थ नरेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो नींव रखी उस पर दोनों देशों की मित्रता निरंतर फल-फूल रही है। प्रधानमंत्री ने सभी भारतीयों की ओर से नरेश को हार्दिक बधाई दी और उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

श्री मोदी ने बल देकर कहा, "भारत और भूटान सिर्फ. सीमाओं से ही नहीं, बल्कि संस्कृतियों से भी जुड़े हैं। हमारा रिश्ता मूल्यों, भावनाओं, शांति और प्रगति का है।" प्रधानमंत्री ने 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद भूटान की अपनी पहली विदेश यात्रा को याद करते हुए कहा कि उस यात्रा की यादें आज भी उन्हें भावुक कर देती हैं। उन्होंने भारत-भूटान संबंधों की मजबूती और समृद्धि पर जोर दिया और कहा कि दोनों देश मुश्किल समय में साथ खड़े रहे हैं, चुनौतियों का मिलकर सामना किया है और अब प्रगति और समृद्धि के पथ पर साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि महामहिम नरेश भूटान को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं और भारत और भूटान के बीच विश्वास और विकास की साझेदारी पूरे क्षेत्र के लिए बहुत बड़ा मॉडल है।

प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत और भूटान का तेजी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है।

उनको पहचानिए जो योजनाओं का सबसे पहले लाभ लेते हैं और वंदे मातरम का विरोध करते हैं', बोले सीएम योगी

बाराबंकी (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में जनसभा को संबोधित किया और कहा कि ऐसे लोगों को पहचानिए जो सरकारी योजनाओं का सबसे पहले लाभ लेते हैं और वंदे मातरम् का विरोध करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जो वंदे मातरम का विरोध करते है उनके चेहरे पहचानिए। ये वही लोग है जो सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पहली कतार में खड़े होते हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस तो चाहती ही नहीं थी कि लौह पुरुष सरदार पटेल का सम्मान हो। मुख्यमंत्री बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंच पर आते ही उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय के साथ संबोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपसी मनमुटाव हो सकता है। मगर राष्ट्रीय एकता की बात हो तो सब एक हों। मतभेद भूलें। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह करीब 10:30

बजे फतेहपुर स्थित अस्थायी हेलीपैड पर उतरा जहां जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने

मुख्यमंत्री ने आगमन के तुरंत बाद हेलीपैड के समीप स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद वे कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हुए, जहां सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित विशाल समारोह में मंच से संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 1734 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें सड़क, शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र और स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। मंच पर पहुंचने के बाद भाजपा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री को सुनने के लिए सुबह से ही भारी भीड़ जुटी हुई थी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य में नोटरी के रूप में चयनित 1500 से अधिक अधिवक्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे : नोटरी पोर्टल भी करेंगे लॉन्च

गांधीनगर स्थित गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में बुधवार सुबह आयोजित होने वाले कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री और विधि राज्य मंत्री होंगे सहभागी

गांधीनगर, 11 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य सरकार के विधि विभाग और गुजरात बार काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 12 नवंबर को गांधीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में नोटरी के रूप में चयनित 1500 से अधिक अधिवक्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री इस अवसर पर नोटरी पोर्टल भी लॉन्च कर राज्य में ई-नोटरी सिस्टम के चरणबद्ध तरीके से विकास की शुरूआत करेंगे।

स्वास्थ्य सेवा को किफायती बनाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता

शुल्क में कटौती और जीएसटी में कमी से नागरिकों को लाभ: केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल

स्वास्थ्य सेवा एक समृद्ध समाज की आधारशिला है; विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में डॉक्टरों और चिकित्सा पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका है: श्री गोयल

भारत किफायती एवं उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सीय महत्व वाले पर्यटन की दृष्टि से दुनिया का अग्रणी गंतव्य बनने की ओर अग्रसर: श्री गोयल

(जीएनएस)।

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज नई दिल्ली में 22वें सीआईआई वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को किफायती बनाने पर सरकार द्वारा निरंतर ध्यान दिए जाने - जैसे कि नागरिकों के लिए उपचार को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ और सस्ता बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 0 प्रतिशत करने तथा चिकित्सा उपकरणों, कैंसर की देखभाल से संबंधित दवाओं एवं कई आवश्यक दवाओं पर शुल्क कम करने - से लाभ हुआ है।

श्री गोयल ने कहा कि सरकार आवश्यक दवाओं और चिकित्सा उत्पादों पर शुल्कों या उपकरों में और कटौती करने पर विचार कर रही है ताकि अधिक दवाइयां किफायती दामों पर उपलब्ध हों। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार को उन दवाओं और उत्पादों के बारे में उद्योग जगत से विशिष्ट सुझाव प्राप्त करने में खुशी होगी जिन्हें शुल्कों में और कमी से लाभ हो सकता है। उन्होंने उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि यह सरकार सुनने वाली है, प्रतिक्रिया, सुझावों एवं विचारों को स्वीकार करती है और घरेलू स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति तथा चिकित्सीय महत्व वाली यात्रा को मजबूत करने हेतु संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री गोयल ने कहा कि सरकार, चिकित्सा पेशेवरों और स्वास्थ्य सेवा उद्योग द्वारा किए गए ऐसे सभी सामूहिक प्रयास देश के लोगों को बेहतर सेवा प्रदान करने और देश को चिकित्सीय उपचार एवं कल्याण की दृष्टि से वैश्विक स्तर पर एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने में सहायक साबित होंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने जन औषधि केन्द्रों की सफलता का भी उल्लेख किया, जिनकी संख्या 10,000 को पार कर गई है और जो किफायती जेनेरिक दवाइयां और सैनिटरी उत्पाद नाममात्र की कीमतों पर उपलब्ध कराते हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह के उपायों से ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा की सुलभता काफी बेहतर हुई है और जमीनी स्तर पर किफायती दाम सुनिश्चित हुए हैं।

श्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के स्वास्थ्य सेवा के मॉडल को समावेशी और समतामूलक बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसी ढर्रे वाली व्यवस्था नहीं अपना सकते जहां स्थानीय नागरिक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा से वंचित रहें और केवल अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा आधारित पर्यटन पर ही ध्यान केन्द्रित किया जाए।' उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के लिए एक मजबूत आधार वाली घरेलू स्वास्थ्य सेवा आवश्यक है ताकि वह चिकित्सीय महत्व वाली यात्रा की दृष्टि से दुनिया के एक पसंदीदा केन्द्र के रूप में उभर सके।

अपने संबोधन के दौरान, श्री गोयल ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि 'अच्छा स्वास्थ्य एक समृद्ध समाज की आधारशिला है,' जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करता है। उन्होंने कहा कि अब जबकि भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में अग्रसर है, एक स्वस्थ एवं उत्पादक राष्ट्र के निर्माण में डॉक्टरों और संपूर्ण चिकित्सा इकोसिस्टम की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

ऑपरेशन सिंदूर आधुनिक युद्ध का एक प्रभावशाली उदाहरण

ऑपरेशन सिंदूर आधुनिक युद्ध का एक प्रभावशाली उदाहरण है; सटीक हमला क्षमता, नेटवर्क-केंद्रित ऑपरेशन, डिजिटल इंटेलिजेंस और मल्टी-डोमेन रणनीति को एक सीमित समय-सीमा के भीतर प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया गयाः सीडीएस

'युद्धभूमि में सफलता निर्धारित करने में प्रौद्योगिकीय श्रेष्ठता एक निर्णायक कारक बन गई है'

(जीएनएस)।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 11 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में दिल्ली डिफेंस डायलॉग में 'आधुनिक युद्ध पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव' पर अपने विशेष संबोधन में कहा" ऑपरेशन सिंदूर आधुनिक युद्ध का एक प्रभावशाली उदाहरण है, जहाँ सटीक हमला करने की क्षमता, नेटवर्क-केंद्रित ऑपरेशन, डिजिटल इंटेलिजेंस और मल्टी-डोमेन रणनीति को एक सीमित समय-सीमा के भीतर प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया गया।" सीडीएस ने यह देखते हुए कि प्रौद्योगिकीय श्रेष्ठता युद्ध के मैदान पर सफलता का निर्धारण करने में एक निर्णायक कारक बन गई है, सैन्य नेतृत्व के लिए उभरती वास्तविकताओं के साथ तेजी से अनुकूलन करने की अनिवार्यता को रेखांकित किया।

जनरल अनिल चौहान ने इस बात पर बल दिया कि युद्ध मूलतः विजय प्राप्त करने के बारे में है, और जो प्रौद्योगिकी में अग्रणी हैं, अंततः उनकी ही जीत होगी। उभरती प्रौद्योगिकीयों, विकसित होते सिद्धांतों और बदलती भू-राजनीतिक गतिशीलता के गहन प्रभाव को रेखांकित करते हुए, उन्होंने बल देकर कहा कि आधुनिक युद्धकला को सशस्त्र बलों के भीतर त्वरित गति से हो रहे नवोन्मेषण, रणनीतिक साझेदारियों और संगठनात्मक परिवर्तन के जरिए नया रूप दिया जा रहा है।

मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। कार्यक्रम का विषय था 'रक्षा क्षमता विकास के लिए नए युग की प्रौद्योगिकी का उपयोग'।

अपने स्वागत भाषण में, एमपी-आईडीएसए के महानिदेशक राजदूत सुजान चिनॉय ने इस अवसर के विशेष महत्व पर प्रकाश डाला, जो संस्थान के 60 वें स्थापना दिवस के साथ अनुरूप है। उन्होंने आधुनिक रक्षा क्षमताओं को आकार देने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका पर विचार किया और इस बात पर बल दिया कि विश्वभर के सशस्त्र बल औद्योगिक युग से सूचना और साइबर युग की ओर बढ़ रहे हैं।

एमपी-आईडीएसए के महानिदेशक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और क्वांटम फिजिक्स जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियां युद्ध और सुरक्षा में महत्वपूर्ण निर्धारक बन रही हैं। उन्होंने विदेशी प्रौद्योगिकी अधिग्रहण और स्वदेशी रक्षा निर्माण के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर बल दिया और आत्मनिर्भरता नीति के तहत आत्मनिर्भर दृष्टिकोण की वकालत की।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के कार्यान्वयन में गुजरात देश में प्रथम

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पीएम-जनमन के श्रेष्ठ क्रियान्वयन के लिए गुजरात को दिया 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का पुरस्कार
- पीएम-जनमन के अंतर्गत गुजरात में पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 14,552 आवास स्वीकृत किए गए
- गुजरात ने पीएम-जनमन के तहत राज्य के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के 6630 घरों तक पहुंचाई बिजली : जनजातीय समुदायों के 100 फीसदी घरों का विद्युतीकरण हुआ पूर्ण

गांधीनगर, 11 नवंबर : विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की अपेक्षित जरूरतों एवं सुविधाओं की पूर्ति कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) मिशन कार्यान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, पीएम-जनमन के क्रियान्वयन में गुजरात देश का शीर्ष राज्य बना है। भारत सरकार की ओर से पीएम-जनमन के कार्यान्वयन के संदर्भ में देश के अलग-अलग राज्यों की प्रगति को ध्यान में रखकर घोषित की गई रैंकिंग में गुजरात पहले स्थान पर है। भारत सरकार की ओर से 17 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गुजरात राज्य को

'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का पुरस्कार दिया। गुजरात की यह उपलब्धि दशार्ती है कि आदिवासियों के विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार मजबूत प्रयास कर रही है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर, 2023 को 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर देश के 18 राज्यों और 1 केंद्रशासित प्रदेश में बसे 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) का सर्वांगीण सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) मिशन की शुरूआत की थी। इस मिशन का उद्देश्य निश्चित समयसीमा में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, बिजली, आजीविका और कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर उनका सामाजिक उत्थान करना है। गुजरात में ऐसे 5 विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह रहते हैं, जिनमें काथोडी, कोटवाळिया, पढार, सिद्दी और कोलघा समूह शामिल हैं।

सम्पादकीय

जीएसटी में कटौती से स्वच्छ और सस्ती यात्रा होंगी सम्भव

भारत का आटोमोबाइल क्षेत्र, अर्थव्यवस्था और जीएसटी में कटौती जब ये सारी नीतियां प्रभावी रूप से लागू होंगी, तब वाहनों की बिव्रि और उत्पादन दोनों बढ़ेंगे। निाति ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार मिल सकेगी। लोग भी स्वच्छ और सस्ती यात्रा का आनंद ले पाएंगे। ऊर्जा की भी बचत होगी और तेल आयात पर निर्भरता घटेगी। उद्योगों में निवेश बढ़ेगा और हरित विकास को बल मिलेगा। भारत का आटोमोबाइल क्षेत्र, अर्थव्यवस्था और जीएसटी में कटौती दोपहिया वाहन, ग्रामीण ही नहीं शहरी भारत की भी रीढ़ है, क्यों कि इनका इस्तेमाल कमोबेश हर घर-परिवार में होता है। इस साल अक्टूबर 2025 में दोपहिया वाहनों की बिी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही शुभ संकेत कहा जा सकता है। शुभ संकेत इसलिए क्यों कि वर्तमान समय में वैश्विक आर्थिक हालात बेहद अनिाित बने हुए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि युद्ध, महंगाई और आपरूति श्रृंखला में बाधाएं विश्व अर्थव्यवस्था को कहीं न कहीं अवश्य ही प्रभावित कर रही हैं। यही कारण है कि आज कई देशों में बेरोजगारी और मुद्रा अस्थिरता की स्थिति तक बनी हुई है। ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन से उत्पादन लागत बढ़ रही है। यहां तक कि निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है और बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी है। विकासशील देशों पर कर्ज और व्यापार घाटे का दबाव बढ़ रहा है। इन सबके बीच स्थायी और संतुलित आर्थिक नीतियों की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे अनिाित वैश्विक आर्थिक हालात में एफ.ए.डी.ए. के दोपहिया वाहन बिी के आंकड़े राहत भरे हैं और ये कहीं न कहीं उपभोत्ताओं के लौटते भरोसे का भी प्रतीक हैं। एफ.ए.डी.ए. के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर 2025 में दोपहिया वाहनों की बिी लगभग 31.5 लाख (3.15 मिलियन) यूनिट्स रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह वृद्धि पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग ॠ51.76ट्ठ है। 42-दिन (त्योहार अवधि) में दोपहिया वाहनों की बिी वर्ष-पूर्व की तुलना में ॠ22ट्ठ रही तथा इस दौरान समग्र वाहन बिव्रि ॠ21ट्ठ रही। न केवल दोपहिया वाहन, बल्कि इस महीने में (अक्टूबर माह 2025 में) चौपहिया वाहनों की बिव्रि में भी इजाफा हुआ है। एफ.ए.डी.ए. के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर 2025 में वुल वाहन रिटेल 40.23 लाख यूनिट (वाईं ओ वाईं यानी कि वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि लगभग 40.5 ट्ठ) रही। वहीं दूसरी ओर पैसेंजर वाहन (चारपहिया) 5.57 लाख यूनिट (वाईं ओ वाईं वृद्धि लगभग 11.35 ट्ठ) तथा वाणिज्यिक वाहन (कर्मशियल व्हीकल्स) 1,07,841 यूनिट (साल दर साल लगभग 17.7ट्ठ की वृद्धि) रही। दरअसल, वाहनों की बिी बढ़ने के पीछे वुछ कारण रहे। मसलन, सरकार द्वारा लागू की गईं जीएसटी 2.0 सुधारों के अंतर्गत एंट्री-लेवल दोपहिया वाहनों पर टैक्स दरों में कटौती हुईं, जिससे इन वाहनों की कीमतें कम हुईं और खरीदने वालों के लिए आकर्षक बनीं। जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि शहरी की तुलना में कहीं अधिक रही है। वास्तव में, दोपहिया वाहनों की बिी में ग्रामीण-शहरी वृद्धि का अन्तर काफी उल्लेखनीय रहा। त्योहारों का सीजन (दशहरादिवाली) और ग्रामीण स्थानों में मांग में वृद्धि इसका विशेष कारण रहे। दरअसल, अच्छे मानसून एवं ग्रामीण व्रय शत्ति ने भी इसमें काफी मदद की। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि एफ.ए.डी.ए. का पूरा नाम है-' पेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स)।' बहुत कम लोग ही यह जानते होंगे कि यहएक राष्ट्रीय स्तर का संगठन (नेशनल बाडी) है, जो भारत में सभी वाहन डीलरों (आटोमोबाइल डीलर्स)- जैसे कि कार, बाइक, ट्रक, बस आदि के शोरूम या बिी वेंद्र का प्रतिनिधित्व करता है। वास्तव में, यह भारत के वाहन डीलरों का एक प्रतिनिधि संगठन है, जो सरकार, वंपनियों और ग्राहकों के बीच एक संतुलनकारी भूमिका निभाता है। बहरहाल, वाहनों की बिव्रि (दोपहिया, चौपहिया) से किसी भी अर्थव्यवस्था को काफी लाभ होता है। दरअसल,वाहन उद्योग (दोपहिया और चौपहिया) को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इससे न केवल परिवहन सुगम होता है, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार भी मिलता है-जैसे कि उत्पादन, बिी, मरम्मत, बीमा, और परिवहन सेवाओं में। वाहन उद्योग में वृद्धि से स्टील, पेट्रोलियम, रबर, प्लास्टिक, और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे सहायक उद्योगों को भी गति मिलती है। इतना ही नहीं, सरकार को वाहन बिव्रि पर लगने वाले टैक्स, जीएसटी, और रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में भारी राजस्व प्राप्त होता है। वाहनों की संख्या बढ़ने से पर्यटन, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक सेक्टर में भी तेजी आती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों के प्रसार से किसानों और छोटे व्यवसायियों की उत्पादकता बढ़ती है। आज के समय में इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता चलन हमारे देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहा है। इस तरह वाहन उद्योग आर्थिक विकास, रोजगार और औद्योगिक प्रगति-तीनों का प्रमुख आधार बन चुका है। बहरहाल,पेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के आंकड़े यह बताते हैं कि अत्तूबर में यात्री वाहनों की बिी में 11.35 और दोपहिया वाहनों की बिी में सालाना आधार पर 51.76 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था की अंदरूनी लहर को ही दशार्ती है। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि भारत में दोपहिया वाहन उद्योग विश्व के सबसे बड़े उद्योगों में से एक है। देश में कई प्रमुख वंपनियां हैं जो अपनी उत्वृष्ट गुणवत्ता, तकनीक और किफायती दामों के लिए जानी जाती हैं। मसलन, हीरो मोटोकॉर्प भारत की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निमार्ता वंपनी है, जो स्प्लेंडर, पैशन और एचएफ डीलक्स जैसे लोकप्रिय मॉडल बनाती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्वूटर इंडिया (एचएमएसआइ) एक्टिवा और शाइन जैसे मॉडल के लिए प्रसिद्ध है। वहीं पर टीवीएस मोटर वंपनी अपाचे और जुपिटर जैसे मॉडलों के कारण युवाओं में खास लोकप्रिय है। बजाज ऑटो अपने पल्सर और प्लेटिना रेंज के लिए जानी जाती है, जबकि रॉयल एनफील्ड अपने क्लासिक और बुलेट मॉडलों से प्रीमियम सेगमेंट पर कब्जा रखती है। इसके अलावा सुजुकी, यामाहा और महिंद्रा टू व्हीलर्स जैसी वंपनियां भी बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। इन सभी वंपनियों ने न केवल घरेलू बाजार में बल्कि निर्यात के क्षेत्र में भी भारत की पहचान को विश्व स्तर पर मजबूत किया है। इस बार त्योहारी सीजन के आसपास से, जब से जीएसटी में कटौती की गई है,तब से ही हीरो, होंडा, बजाज और टीवीएस जैसी वंपनियों के शोरूम फिर से गुलजार हैं, तो इसका सीधा सा मतलब यह है कि गांव-कस्बों में लोग फिर से कर्ज लेकर या बचत खर्च कर नए वाहन खरीद रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पिछले वुछ समय से देश की वृषि अर्थव्यवस्था में भी सुधार देखने को मिला है। वहीं इस बार हमारे देश में मानसून भी खूब अच्छा रहा और इससे उत्पादन भी अच्छा रहा। उत्पादन अच्छा होने से किसान समृद्ध और खुशहाल हुए हैं और उनकी व्रय शत्ति बढ़ी है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि वेंद्र सरकार ने हाल ही में किसानों की आय बढ़ाने और वृषि क्षेत्र को सशत्त बनाने के उद्देश्य से रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। अतः वुल मिलाकर यहां यह बात कही जा सकती है कि एमएसपी में वृद्धि, अनुवूल मौसम (अच्छा मानसून) और विभिन्न सरकारी प्रोत्साहनों के चलते आज भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ लगातार तेज़ हो रही हैं, जिसका सकारात्मक असर खुदरा बाज़ारों और औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखाई पड़ा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में ऑटो क्षेत्र का भविष्य तेजी से बदलते परिवेश में पर्यावरणीय संतुलन के साथ जुड़ता जा रहा है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइब्रिड टेक्नोलॉजी और ग्रीन फ्यूल जैसे इथेनॉल, सीएनजी और हाइड्रोजन पर आधारित वाहनों का विस्तार हो रहा है। सरकार भी नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और पेम इंडिया स्कीम जैसी योजनाओं से इस दिशा में प्रोत्साहन दे रही है। आने वाले वर्षो में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों की जगह पर्यावरण अनुवूल वाहनों का बोलबाला होगा। इससे न प्रदूषण घटेगा व देश की तेल आयात पर निर्भरता भी कम होगी। जब ये सारी नीतियां प्रभावी रूप से लागू होंगी, तब वाहनों की बिक्री और उत्पादन दोनों बढ़ेंगे।

नई तकनीक के निर्माण और उसे अपनाने को निर्बाध, तीव्र और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रणालियों और परितंत्र के निर्माण की जरूरत: रक्षा मंत्री

देश को प्रौद्योगिकी निमार्ता बनाने के लिए सैनिक, वैज्ञानिक, स्टार्टअप और रणनीतिकार के बीच तालमेल आवश्यक है

श्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता को डिजिटल संप्रभुता यानी प्लेटफॉर्म को शक्ति प्रदान करने वाले एल्गोरिदम, डेटा और चिप्स पर नियंत्रण तक विस्तारित करने का आ'ान किया

सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता तभी आएगी जब हमारा कोड हमारे हार्डवेयर की तरह स्वदेशी होगा

जीवन-चक्र लागत की अवधारणा कई उन्नत देशों के खरीद ढांचे में गहराई से समाहित है; अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे शुरूआती चरण में ही इन निर्वाह लागतों का आकलन करें

दिल्ली की दुखद घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा: रक्षा मंत्री

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने देश को उपभोक्ता से प्रौद्योगिकी निमार्ता के रूप में स्थापित करने के लिए न केवल नए नवाचारों को अपनाने की जरूरत पर बल दिया है, बल्कि ऐसी परिस्थितियां बनाने पर भी जोर दिया है जहां विशिष्ट उत्पाद सुदृढ़ प्रक्रियाओं, सक्रिय संस्थानों और सहयोग की उस भावना के माध्यम से फल-फूल सकें जिसमें सैनिक, वैज्ञानिक, स्टार्टअप और रणनीतिकार को एकजुट किया जा सके। श्री सिंह ये बातें 11 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) की ओर से आयोजित दिल्ली रक्षा संवाद में उद्घाटन भाषण में कहीं। इस संवाद का विषय - 'रक्षा क्षमता विकास में आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग' था।

रक्षा मंत्री ने ऐसी प्रणालियां और परितंत्र बनाने का आ'ान किया जो नई तकनीक के निर्माण और उसे अपनाने को स्वाभाविक, तीव्र और आत्मनिर्भर बनाएं। उन्होंने कहा कि अगर हमारी नींव मजबूत है, हमारी संस्थाएं सक्रिय हैं, हमारी सोच खुली है और हमारा सहयोग निर्बाध है, तो हर नई तकनीकी लहर हमें अभिभूत नहीं कर पाएगी। यह हमें आगे बढ़ाएगी। हम न केवल कहीं और हुए बदलावों के अनुकूल ढलेंगे, बल्कि यहां हुए बदलावों के निमार्ता भी बनेंगे।

श्री राजनाथ सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग और स्वार्म टेक जैसी क्रांतिकारी तकनीकों को आत्मसात करने और उनके अनुकूल ढलने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उन्नति की असली परीक्षा इस बात में निहित है कि उपकरण कैसे काम करते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक की शक्ति केवल उपकरणों या एल्गोरिदम तक सीमित नहीं है; यह इसकी सर्वव्यापी प्रकृति में निहित है कि किस तरह से यह राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने वाली हर प्रक्रिया, प्रणाली और निर्णय को पुनर्परिभाषित करती है। तकनीक का उपयोग केवल नए उपकरण जोड़ना नहीं है। यह हमारे संस्थानों को अधिक चुस्त, पूवार्नुमानित और अनुकूलनशील बनाने और एक ऐसी रक्षा संरचना बनाने को लेकर है जो निरंतर सीखती है, तुरंत प्रतिक्रिया देती है और परिवर्तन की गति के साथ निरंतर विकसित होती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि तेज गति वाले डेटा लिंक, एआई-संचालित एल्गोरिथम, क्वांटम कंप्यूटिंग और स्वायत्त प्रणालियां त्वरित आंतरिक प्रक्रियाओं और उन्हें प्रभावी ढंग से आत्मसात करने और लागू करने की मजबूत मानवीय एवं संस्थागत क्षमता के बिना कम हासिल कर पाएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि रक्षा तैयारियां काफी हद तक अदृश्य तकनीकों पर निर्भर करती हैं जिनमें सुरक्षित डेटा आर्किटेक्चर, एन्क्रिप्टेड नेटवर्क, स्वचालित रखरखाव प्रणालियां और इंटरऑपरेबल डेटाबेस शामिल हैं।

भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज रक्षा औद्योगिक आधार नए आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ विस्तार कर रहा है, डीआरडीओ, सशस्त्र बलों, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच तालमेल से अनुसंधान, परीक्षण, क्षेत्रीय प्रतिक्रिया और नवाचार का एक सकारात्मक चक्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल वैश्विक नवाचार के साथ कदमताल मिलाकर संतुष्ट नहीं रह सकता, बल्कि प्रक्रियागत जड़ता के बजाय सहयोग और गति को प्रोत्साहित करके नवाचार की संस्कृति को पोषित करते रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी नेतृत्व किसी विशिष्ट प्रतिभा से नहीं उभरता, बल्कि एक ऐसे राष्ट्रीय परितंत्र से विकसित होता है जो विचारों को पुरस्कृत करता है, असफलताओं को सहन करता है और सफलताओं का जश्न मनाता है।

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईक्स) और प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ) जैसी पहलों का विशेष उल्लेख किया, जो नवोन्मेषकों की एक नई पीढ़ी को पोषित कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय रक्षा को राष्ट्रीय सेवा के एक मिशन के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि ये नवोन्मेषक एक ऐसे भविष्य के निमार्ता हैं जहां स्वायत्त प्रणालियों और क्वांटम सेंसर से लेकर उन्नत सामग्रियों और अंतरिक्ष-आधारित निगरानी तक अत्याधुनिक तकनीकों में भारतीय प्रतिभा की छाप होगी। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमियों, एमएसएमई से लेकर भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुखों तक, आम लोगों और कंपनियों ने विकसित भारत और आत्मनिर्भरता के मिशन को प्राप्त करने में मदद करने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया है।

श्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता को स्वदेशी प्रणालियों के निर्माण से आगे बढ़ाकर डिजिटल संप्रभुता यानी प्लेटफॉर्म को शक्ति प्रदान करने वाले एल्गोरिदम, डेटा और चिप्स पर नियंत्रण तक विस्तारित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता तभी आएगी जब हमारा कोड हमारे हार्डवेयर जितना ही स्वदेशी होगा। इसलिए, हम सुरक्षित, स्वदेशी सॉफ़्टवेयर स्टैक, विश्वसनीय सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं और भारतीय डेटा पर प्रशिक्षित स्वदेशी एआई मॉडल को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मशीनों और एल्गोरिदम को लेकर भारी उत्साह के बीच, हमें यह याद रखना चाहिए कि तकनीक मानवीय निर्णय को बदलने के लिए नहीं, बल्कि उसे बढ़ाने के लिए है। हमें इन उभरती तकनीकों के नैतिक, मनोवैज्ञानिक और कानूनी आयामों में भी निवेश करना चाहिए। एक सभ्यतागत शक्ति के रूप में, भारत सैन्य तकनीक के ज़िम्मेदार और मानवीय उपयोग पर बातचीत का नेतृत्व कर सकता है और उसे ऐसा करना भी चाहिए।"

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि तकनीक को न केवल बल गुणक के रूप में, बल्कि संसाधन अनुकूलक के रूप में भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार और प्रत्येक संसाधन का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए पूंजीगत खरीद प्रक्रिया में तकनीक और डेटा विश्लेषण का लाभ उठाने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'कई उन्नत देशों में, जीवन-चक्र लागत की अवधारणा उनके खरीद ढांचों में गहराई से समाहित है। हाल ही में मैंने निर्देश दिया है कि हमें भी प्रत्येक खरीद प्रस्ताव के आरंभिक चरण से ही इन संपोषण लागतों का आकलन शुरू कर देना चाहिए। इससे हमें पूरी तस्वीर देखने में मदद मिलेगी, न केवल यह कि हम आज क्या निवेश करते हैं, बल्कि यह भी कि हमें कल क्या बनाए रखना है।'

रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों से न केवल उपकरणों से संबंधित तकनीक में, बल्कि प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स, योजना और प्रबंधन प्रणालियों से संबंधित क्षेत्रों में भी सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं पर नजर रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सर्वोत्तम उपकरणों का आयात करने की तुलना में सर्वोत्तम प्रथाओं का आयात करना कहीं बेहतर है क्योंकि एक बार जब हम प्रक्रिया में निपुण हो जाते हैं और हमारी प्रणालियां मजबूत, अनुकूलनीय और पारदर्शी हो जाती हैं। ऐसे में हम न केवल विदेशों से उत्कृष्टता खरीदेंगे, बल्कि उसे अपने देश में भी उत्पादित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि एमपी-आईडीएसए ऐसी प्रथाओं का अध्ययन, दस्तावेजीकरण और प्रसार करके, और सेनाओं को हमारे राष्ट्रीय संदर्भ में सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाने में मदद करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

श्री राजनाथ सिंह ने इस कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरूआत 10 नवंबर, 2025 को दिल्ली में हुए दुखद हादसे में मारे गए लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए की। उन्होंने कहा कि देश की अग्रणी जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं, जांच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने देश को आश्वासन दिया कि इस हादसे के ज़िम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उन्हें किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एमपी-आईडीएसए के महानिदेशक राजदूत सुजान चिनॉय, मित्र देशों के राजदूत और नागरिक एवं सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ट्राई ने उत्तर-पूर्व लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र के अंतर्गत मेघालय राज्य के शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सितंबर 2025 में मेघालय राज्य के शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में व्यापक शहर मार्गों को कवर करते हुए उत्तर-पूर्व (एलएसए) के लिए अपने स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) निष्कर्ष जारी किए हैं। ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता की देखरेख में आयोजित ड्राइव परीक्षणों को विविध उपयोग वाले वातावरणों- शहरी क्षेत्रों, संस्थागत हॉटस्पॉट, ग्रामीण आवासीय क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों आदि में वास्तविक दुनिया के मोबाइल नेटवर्क प्रदर्शन को दर्ज करने के लिए डिजाइन किया गया था।

ट्राई की टीमों ने 1 सितंबर 2025 से 5 सितंबर 2025 के बीच मेघालय राज्य के शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में विस्तृत परीक्षण किए जिसमें 269.4 किलोमीटर का सिटी ड्राइव टेस्ट, 9 हॉटस्पॉट लोकेशन और 1.6 किलोमीटर का पैदल परीक्षण शामिल था। मूल्यांकन की गई तकनीकों में 2जी, 3जी, 4 जी और 5जी शामिल थे जो विभिन्न हैंडसेट क्षमताओं वाले उपयोगकताओं के सेवा अनुभव को दशार्ते हैं। आईडीटी के निष्कर्षों से सभी संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को पहले ही अवगत करा दिया गया है।

मूल्यांकन के प्रमुख मानदंडः

क) वॉयस सेवाएं : कॉल सेटअप सफलता दर (सीएसएसआर), ड्रॉप कॉल दर (डीसीआर), कॉल सेटअप समय, कॉल साइलेंस दर, भाषण गुणवत्ता (एमओएस), कवरेज।

ख) डेटा सेवाएं : डाउनलोड/अपलोड थ्रूपुट, विलंबता, जिटर, पैकेट ड्रॉप दर और वीडियो स्ट्रीमिंग में विलंब।

शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले तथा आसपास के क्षेत्रों में समग्र मोबाइल नेटवर्क प्रदर्शन का सारांश नीचे दिया गया हैः

कॉल सेटअप सफलता दर - एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सफलता दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में क्रमशः 96.34 प्रतिशत, 73.63 प्रतिशत, 99.12 प्रतिशत और 80.20 प्रतिशत है।

ड्रॉप कॉल दर- एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में ड्रॉप कॉल दर क्रमशः 2.46 प्रतिशत, 12.19 प्रतिशत, 0.89 प्रतिशत और 3.49 प्रतिशत है।

5जी डेटा सेवाओं ने शहरी क्षेत्रों में अधिकतम औसत डाउनलोड गति 157.15 एमबीपीएस तथा अधिकतम औसत अपलोड गति 10.89 एमबीपीएस प्रदान की।

शिलांग शहर और पूर्वी खासी हिल्स जिले में किए गए मूल्यांकन में जोराबाट, बिरनीहाट, उमराई, उमरेव, भोरियम्बोंग, उमियम, किरदेमखला, मावकडोक, चेरापूंजी और मावसिनराम आदि क्षेत्र शामिल थे। ट्राई ने (i) प्रशासनिक ब्लॉक मेघालय विधान सभा, (ii) एलिफेंट फॉल्स शिलांग, (iii) आईआईएम शिलांग नई बिल्डिंग एडमिन ब्लॉक, (iv) आईएसबीटी शिलांग मावलाई-मावियोंग, (v) मावफलांग पवित्र वन, (vi) मावसमाई गुफा चेरापूंजी, (vii) पुलिस बाजार, (viii) सेवन सिस्टर्स वाटरफॉल चेरापूंजी, (ix) उमियम झील में अचल स्थिति में परीक्षण के माध्यम से और (i) सिविल अस्पताल लाचुमियर, शिलांग, (ii) मेघालय विधान सभा और (iii) वाड्र्स झील में वॉक-टेस्ट के माध्यम से वास्तविक दुनिया की स्थितियों का मूल्यांकन किया ।

प्रमुख क्यूओएस मापदंडों पर प्रदर्शनः

सारांश-वॉयस सेवाएं

कॉल सेटअप सफलता दरः एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सफलता दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में क्रमशः 96.34 प्रतिशत, 73.63 प्रतिशत, 99.12 प्रतिशत और 80.20 प्रतिशत है।

कॉल सेटअप समयः एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल में ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में कॉल सेटअप समय क्रमशः 2.53, 2.81, 0.97 और 2.08 सेकंड है।

ड्रॉप कॉल दरः एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल में ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी/3जी/2जी) में ड्रॉप कॉल दर क्रमशः 2.46 प्रतिशत, 12.19 प्रतिशत, 0.89 प्रतिशत और 3.49 प्रतिशत है।

कॉल साइलेंस/म्यूट दरः पैकेट स्विच्ड नेटवर्क (5जी/4जी) में एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की साइलेंस कॉल दर क्रमशः 7.12 प्रतिशत, 1.30 प्रतिशत, 8.70 प्रतिशत और 3.26 प्रतिशत है।

औसत राय स्कोर (एमओएस): एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल का औसतन एमओएस क्रमशः 3.93, 2.97, 3.68 और 4.51 है।

सारांश-डेटा सेवाएं

डेटा डाउनलोड प्रदर्शन (समग्र): एयरटेल (5जी/4जी/2जी) की औसत डाउनलोड गति 55.11 एमबीपीएस, बीएसएनएल (4जी/3जी/2जी) 0.98 एमबीपीएस, आरजेआईएल (5जी/4जी) 157.15 एमबीपीएस और वीआईएल (4जी/2जी) 17.32 एमबीपीएस है।

डेटा अपलोड प्रदर्शन (समग्र): एयरटेल (5जी/4जी/2जी) की औसत अपलोड गति 7.62 एमबीपीएस, बीएसएनएल (4जी/3जी/2जी) 2.39 एमबीपीएस, आरजेआईएल (5जी/4जी) 10.89 एमबीपीएस और वीआईएल (4जी/2जी) 6.84 एमबीपीएस है।

विलंब (समग्र): एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की 50वीं प्रतिशत विलंबता क्रमशः 28.80 एमएस, 82.00 एमएस, 20.85 एमएस और 46.35 एमएस है।

डेटा प्रदर्शन - हॉटस्पॉट (एमबीपीएस में):

एयरटेल- 4जी डी/एलः 23.81 4जी यू/एलः 6.21

5जी डी/एलः 136.70 5जी यू/एलः 14.56

बीएसएनएल- 4जी डी/एलः 0.86 4जी यू/एलः 2.51

आरजेआईएल- 4जी डी/एलः 18.38 4जी यू/एलः 2.23

5जी डी/एलः 204.70 5जी यू/एलः 14.53

वीआईएल- 4जी डी/एलः 20.48 4जी यू/एलः 7.03

नोट- 'डी/एल' डाउनलोड गति, 'यू/एल' अपलोड गति

सीएसएसआरः कॉल सेटअप सफलता दर (प्रतिशत में), सीएसटीः कॉल सेटअप समय (सेकंड में), डीसीआरः ड्रॉप कॉल दर (प्रतिशत में) और एलओएसः औसत राय स्कोर

ये परीक्षण वास्तविक समय में ट्राई की ओर से सुझाए गए उपकरणों और मानकीकृत प्रोटोकॉल का उपयोग करके किए गए थे। विस्तृत रिपोर्ट ट्राई की वेबसाइट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, श्री कौशिक मुखर्जी, सलाहकार (क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता) ट्राई से ईमेलः dv.kolkata@trai.gov.in या फोन नंबर +91-33-22361401 पर संपर्क किया जा सकता है।

वेव्स बाजार और अहा द्वारा संचालित तथा प्रोड्यूसर बाजार और इंडियाजॉय द्वारा आयोजित इंडियाजॉय बी2बी 2025 ने भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को सशक्त किया

इंडियाजॉय बी2बी 2025 ने एवीजीसी-एक्सआर और फिल्म उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति को मजबूत किया

प्रविष्टि तिथिः 11 ठडश 2025 4:50ढट्ु८ ढक्ह ऊॅ

'इंडियाजॉय बी2बी 2025 पहल' जिसमें भारतीय फिल्म बाजार और वेव्स एनिमेशन बाजार शामिल थे, का सफल आयोजन वेव्स बाजार, प्रोड्यूसरबाजार और अहा के सहयोग से इंडियाजॉय कार्यक्रम में किया गया। इससे एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) और फिल्म उद्योग के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति और मजबूत हुई।

इस वर्ष के संस्करण में देश भर से 120 विक्रेताओं और 35 खरीदारों ने भाग लिया, जिससे सह-निर्माण, सामग्री लाइसेंसिंग और रणनीतिक सहयोग के लिए एक मजबूत मंच तैयार हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान स्प्राउट्स स्टूडियो ने प्रोड्यूसर बाजार द्वारा संचालित वेव्स एनिमेशन बाजार और भारतीय फिल्म बाजार से जुड़ी बौद्धिक संपदा को समर्थन के लिए 6 करोड़ रुपए के कोष की घोषणा की।

वेव्स का एनिमेशन बाजार

वेव्स के एनिमेशन बाजार में 18 उभरते रचनाकारों और बौद्धिक संपदा धारकों को प्रदर्शित किया गया, जो एनिमेशन और नए मीडिया में भारत के बढ़ते प्रतिभा भंडार और रचनात्मकता को दशार्ते हैं। इस बाजार ने कहानीकारों, निमार्ताओं और वितरकों को सफलतापूर्वक जोड़ा, जिससे सार्थक चचाएं और साझेदारियां हुईं जो भारत के मनोरंजन इको-सिस्टम को आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।

इस वर्ष के संस्करण में प्रमुख खरीदारों में अहा, जी, स्पिरिट मीडिया, जियो हॉटस्टार, सुरेश प्रोडक्शंस, ईटीवी विन, वॉचो, नॉर्थस्टार एंटरटेनमेंट और अल्फा पिक्चर्स शामिल थे। इस पहल के तहत सामग्री अधिकार मुद्रीकरण के लिए 24 करोड़ रुपए के प्रस्ताव रखे गए और संभावित भागीदारों के साथ उन पर चर्चा की गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव, श्री संजय जाजू ने उद्घाटन सत्र के दौरान कहा :

"इस आयोजन से मनोरंजन उद्योग के सभी क्षेत्रों को लाभ होने की उम्मीद है। विक्रेताओं और खरीदारों को एक ही मंच पर लाने से भारत के मनोरंजन व्यापार को और ऊर्जा मिलेगी। जिस तरह आईपीएल ने भारतीय क्रिकेट में क्रांति ला दी, उसी तरह रचनात्मकता और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने वाली वेव्स पहल मनोरंजन क्षेत्र को बदल देगी।"

इंडियाजॉय में वेव्स बाजार के साथ सहयोग ने शुरूआती चरण के स्टूडियो को बढ़ावा देने और वैश्विक दर्शकों के लिए "भारत में निर्माण" सामग्री को बढ़ावा देकर पहल को और ज्यादा मजबूत किया है।

उत्साही भागीदारी और प्रभावशाली व्यावसायिक परिणामों के साथ इंडियाजॉय बी2बी 2025 में वेव्स बाजार ने एक बार फिर भारत के रचनात्मक उद्योगों में सहयोग, नवाचार और विकास को बढ़ावा देने वाले एक प्रमुख मंच के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत किया है।

इंडियाजॉय 2025 में 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' के विजेताओं का प्रदर्शन

इंडियाजॉय 2025 में वेव्स बाजार पवेलियन ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा समर्थित 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' (सीआईसी) विजेताओं के प्रदर्शन की भी मेजबानी की। एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के 20 से अधिक विजेताओं ने अपनी अभूतपूर्व परियोजनाओं का प्रदर्शन किया, जिनमें वीआर हेडसेट, शैक्षिक टेक उपकरण, गेमिंग प्रोटोटाइप, एनीमेशन फि ल्में और सिनेमैटिक आईपी शामिल थे, जिन्हें एनीमेशन फि ल्म प्रतियोगिता, इनोवेट2एजुकेट हैंडहेल्ड डिवाइस चैलेंज, वेव्स उत्कृष्टता पुरस्कार, एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन और अनरियल सिनेमैटिक चैलेंज जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विकसित किया गया था।

युवा नवप्रवर्तकों ने सूचना एवं प्रसारण सचिव श्री संजय जाजू के साथ बातचीत की।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पोरबंदर-राजकोट के बीच चलेंगी दो नई पैसेन्जर ट्रेनें

(जीएनएस)।

डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार के प्रयासों से रेलवे बोर्ड ने पोरबंदर-राजकोट के बीच 2 नई ट्रेनों को चलाने हेतु अनुमति प्रदान कर दी है। ये दोनों ट्रेनें अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इन ट्रेनों का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः

1. राजकोट-पोरबंदर शुरूआती स्पेशल ट्रेन (क्ल्लं४४१' रस्रीं' ळ१ंल्ल)

ट्रेन नंबर 09561 राजकोट-पोरबंदर शुरूआती स्पेशल (क्ल्लं४४१' रस्रीं'), राजकोट स्टेशन से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान करेगी एवं 14.40 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन 14 नवम्बर, 2025 (शुक्रवार) को राजकोट स्टेशन से सुबह 10.30 बजे प्रस्थान करेगी।

2. राजकोट-पोरबंदर-राजकोट दैनिक पैसेन्जर ट्रेन

ट्रेन नंबर 59561 राजकोट-पोरबंदर पैसेन्जर दैनिक राजकोट स्टेशन से सुबह 8.35 बजे प्रस्थान करेगी एवं 13.15 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59562 पोरबंदर-राजकोट पैसेन्जर दैनिक पोरबंदर से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी एवं 18.55 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी। ये दोनों ट्रेनें 15.11.2025 से प्रतिदिन नियमित रूप से अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी।

3. पोरबंदर-राजकोट-पोरबंदर पैसेन्जर ट्रेन (सप्ताह में 5 दिन)

ट्रेन नंबर 59564 पोरबंदर-राजकोट पैसेन्जर (सप्ताह में 5 दिन, गुरूवार और रविवार को छोड़कर) पोरबंदर स्टेशन से सुबह 7.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं 12.35 बजे राजकोट स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन 15.11.2025 से सप्ताह में 5 दिन (गुरूवार और रविवार को छोड़कर) अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी।

इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59563 राजकोट-पोरबंदर पैसेन्जर (सप्ताह में 5 दिन, बुधवार और शनिवार को छोड़कर) राजकोट स्टेशन से दोपहर 14.50 बजे प्रस्थान करेगी एवं 20.30 बजे पोरबंदर स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन 16.11.2025 से सप्ताह में 5 दिन (बुधवार और शनिवार को छोड़कर) अपने निर्धारित समयानुसार चलेंगी।

उपरोक्त सभी ट्रेनें अपनी यात्रा के दौरान भक्तिनगर, रीबडा, गोंडल, वीरपुर, नवागढ़, जेतलसर, धोराजी, उपलेटा, पानेली मोटी, जाम जोधपुर, बालवा, काटकोला, वांसजालिया और राणावाव स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रूकेंगी।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त ट्रेनों को चलाने हेतु ट्रेन नंबर 19572 पोरबंदर-राजकोट एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन किया जाएगा। यह ट्रेन पोरबंदर से अपने वर्तमान निर्धारित समय 14.35 बजे की बजाय 16.00 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, राजकोट स्टेशन पर 18.55 बजे की बजाय 21.20 बजे पहुंचेगी।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना/भावनगर टर्मिनस के बीच चलाएगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा जैन पारणा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना/भावनगर टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09229/09230 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना/भावनगर टर्मिनस स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09229 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना स्पेशल गुरुवार, 20 नवम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:00 बजे पालिताना पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09230 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल बुधवार, 19 नवम्बर, 2025 को भावनगर टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09230 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल का भावनगर परा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09231/09232 बांद्रा टर्मिनस-पालिताना/भावनगर टर्मिनस स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09231 बांद्रा टर्मिनस - भावनगर टर्मिनस स्पेशल शनिवार, 22 नवम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 12:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09232 पलिताना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025 को पलिताना से 20:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09231 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल का भावनगर परा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09229, 09230, 09231 एवं 09232 की बुकिंग 13 नवम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गांधीनगर-जयपुर स्टेशन पुनर्विकास कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर पश्चिम रेलवे के गांधीनगर-जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास और बड़े स्तर पर उन्नयन कार्य के मद्देनजर 9 नवंबर से 13 दिसंबर, 2025 तक 35 दिनों का ब्लॉक लिया गया है, जिसके कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट/आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनेंः

1. 8 दिसंबर, 2025 को ओखा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20951 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस अजमेर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन अजमेर और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार, 9 दिसंबर, 2025 को जयपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20952 जयपुर-ओखा एक्सप्रेस अजमेर स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन जयपुर और अजमेर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनेंः

1. 13 दिसंबर, 2025 तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12215 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

2. 13 नवंबर, 2025 से 12 दिसंबर, 2025 तक पोरबंदर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन रींगस, नीम का थाना और नारनौल स्टेशनों पर रुकेगी।

3. 25 नवंबर, 2025 और 02 दिसंबर, 2025 को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19416 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

4. 09 दिसंबर, 2025 तक पोरबंदर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन रींगस, नीम का थाना और नारनौल स्टेशनों पर रुकेगी।

5. 24 नवंबर, 2025 से 8 दिसंबर, 2025 तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20938 दिल्ली सराय रोहिल्ला-पोरबंदर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

6. 26 नवंबर, 2025 और 3 दिसंबर, 2025 तक सुल्तानपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20940 सुल्तानपुर-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

7. 29 नवंबर, 2025 और 06 दिसंबर, 2025 को वाराणसी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन नारनौल, नीम का थाना और रींगस स्टेशनों पर रुकेगी।

8. 25 नवंबर, 2025 और 02 दिसंबर, 2025 को लखनऊ से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19402 लखनऊ-साबरमती एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भरतपुर-कोटा-आणंद-साबरमती स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा और आणंद स्टेशनों पर रुकेगी।

9. 25 नवंबर, 2025 को अयोध्या कैंट से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भरतपुर-कोटा-आणंद-अहमदाबाद-विरमगाम स्टेशनों के रास्ते चलाई जाएगी और यह ट्रेन सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, शामगढ़, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा और आणंद स्टेशनों पर रुकेगी।

सीएक्यूएम ने पूरे एनसीआर में मौजूदा जीआरएपी के चरण-तृतीय के अंतर्गत 9-सूत्रीय कार्य योजना तत्काल प्रभाव से लागू की

शांत हवाओं, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण एक यूआई में तेजी से गिरावट

(जीएनएस)।

दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्‍ यूआई) सुबह से बढ़ रहा है और आज सुबह 9 बजे 425 पर पहुंच गया। दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्‍ यूएम) की ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) उप-समिति ने क्षेत्र में वायु गुणवत्ता परिदृश्य की समीक्षा की।

शांत हवाओं, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता के प्रचलित रुझान को ध्यान में रखते हुए, और क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के प्रयास में, उप-समिति ने पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से मौजूदा जीआरएपी - 'गंभीर' वायु गुणवत्ता (दिल्ली एक्‍ यूआई 401-450 के बीच) के चरण- क्कक्क के तहत सभी कार्रवाइयों को लागू करने का फैसला किया है।

एनसीआर और डीपीसीसी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (पीसीबी) सहित जीआरएपी के तहत उपायों को लागू करने के लिए जिम्मेदार विभिन्न एजेंसियों को भी इस अवधि के दौरान जीआरएपी के चरण क और क्क के तहत की गई कार्रवाइयों के अलावा, मौजूदा जीआरएपी के चरण क्कक्क के तहत की गई कार्रवाइयों को भी सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मौजूदा जीआरएपी के चरण क्कक्क के अनुसार एक 9-सूत्रीय कार्य योजना पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू है। इसमें एनसीआर और डीपीसीसी के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा कार्यान्वित/सुनिश्चित किए जाने वाले कदम शामिल हैं, जो नीचे दिए गए हैंः

निर्माण एवं तोड़-फोड़ गतिविधियाँः

(i) संपूर्ण एनसीआर में धूल उत्पन्न करने वाली/वायु प्रदूषण फैलाने वाली सीएंडडी गतिविधियों की निम्नलिखित श्रेणियों पर सख्त प्रतिबंध लागू करें

बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी खोदने का काम।

ढेर लगाने का कार्य।

तोड़-फोड़ संबंधी सभी कार्य।

सीवर लाइन, पानी की लाइन, जल निकासी और बिजली के केबल आदि बिछाने के लिए खुली खाई प्रणाली।

ईंट/चिनाई कार्य।

आरएमसी बैचिंग प्लांट का संचालन।

बड़े वेल्डिंग और गैस-कटिंग कार्य। हालाँकि, एमईपी कार्यों

(मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग) के लिए छोटे वेल्डिंग कार्यों की अनुमति होगी।

पेंटिंग, पॉलिशिंग और वार्निशिंग कार्य आदि।

सीमेंट, प्लास्टर/अन्य कोटिंग्स, मामूली आंतरिक मरम्मत/रखरखाव को छोड़कर।

टाइलों, पत्थरों और अन्य फर्श सामग्री की कटाई/घिसाई और लगाना, छोटी-मोटी आंतरिक मरम्मत/रखरखाव को छोड़कर।

सड़क निर्माण गतिविधियाँ और बड़ी मरम्मत।

परियोजना स्थलों के भीतर/बाहर कहीं भी सीमेंट, फ्लाई ऐश, ईंटें, रेत, मुरम, कंकड़, छोटे पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण, लोडिंग/अनलोडिंग।

कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही।

तोड़-फोड़ वाले कचरे का कोई भी परिवहन।

(ii) उपरोक्त 1(i) के अंतर्गत सूचीबद्ध गतिविधियों के अलावा, सभी निर्माण संबंधी गतिविधियां, जो अपेक्षाकृत कम प्रदूषणकारी/कम धूल उत्पन्न करने वाली हैं, को एनसीआर में जारी रखने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि सीएंडडी कचरा प्रबंधन नियमों, धूल रोकथाम/नियंत्रण मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए, जिसमें समय-समय पर जारी आयोग के निर्देशों का पालन भी शामिल हो।

(iii) सभी सी एंड डी संबंधित गतिविधियां, जिनमें उपरोक्त 1(i) के अंतर्गत गतिविधियां भी शामिल हैं, केवल निम्नलिखित श्रेणियों की परियोजनाओं के लिए ही अनुमति दी जाती रहेंगी, हालांकि सी एंड डी कचरा प्रबंधन नियमों, धूल रोकथाम/नियंत्रण मानदंडों के सख्ती से पालन के अधीन, जिसमें समय-समय पर जारी आयोग के निर्देशों का पालन भी शामिल है।

जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (एनआईएचई) 13 नवंबर से उत्तराखंड के अल्मोड़ा में तीन दिवसीय हिमालयन कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा

उद्देश्य - भारत के 'विकसित भारत 2047' विजन के अनुरूप 2047 तक भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण विकसित करना

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान, जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (एनआईएचई), 13 से 15 नवंबर, 2025 तक अपने मुख्यालय कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा, उत्तराखंड में तीन दिवसीय हिमालयन कॉन्क्लेव - 'भारतीय हिमालयी क्षेत्र-2047: सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण' का आयोजन कर रहा है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य भारत के 'विकसित भारत 2047' विजन के अनुरूप 2047 तक भारतीय हिमालयी क्षेत्र (आईएचआर) के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण विकसित करना है, जिसका लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक विकसित और टिकाऊ अर्थव्यवस्था में बदलना है।

हिमालयन कॉन्क्लेव में हिमालयी क्षेत्र और उसके बाहर के प्रमुख वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता, प्रशासक, गैर-सरकारी संगठनों और समुदायों के प्रतिनिधि पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, सतत आजीविका और क्षेत्रीय सहयोग जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एकत्रित होंगे। 11 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करने वाला भारतीय हिमालयी क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता, सांस्कृतिक विरासत और पारिस्थितिक महत्व के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। हालाँकि, जलवायु परिवर्तन, तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों, असंतुलित भूमि-उपयोग प्रथाओं और ग्लेशियरों के पीछे हटने, अचानक बाढ़ और जल संसाधनों के ह्रास सहित बढ़ते प्राकृतिक खतरों के कारण इस क्षेत्र को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य इन ज्वलंत मुद्दों के समाधान हेतु कार्य-रणनीति तैयार करना और क्षेत्र में सतत एवं समावेशी विकास के लिए एक रोडमैप तैयार करना है।

तीन दिनों के दौरान विचार-विमर्श छह प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिनमें बदलती जलवायु के तहत हिमालयी जैव विविधता; भूमि, जल और वायुमंडल की परस्पर क्रियाएँ; पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के लिए उपाय; भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास और सतत आजीविका; क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए नीति और शासन ढाँचे; और सतत विकास के लिए लैंगिक समानत और सामाजिक समावेशन शामिल हैं। 21 सत्रों के माध्यम से प्रत्येक विषय पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी, जिसमें हिमालय में लचीलापन और सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के निर्माण के उद्देश्य से प्रस्तुतियाँ, खुले संवाद और नीतिगत सुझाव शामिल होंगे।

इस मंच के माध्यम से, इस सम्मेलन का उद्देश्य उभरते परिदृश्य के आलोक में हिमालय के लिए मौजूदा कार्ययोजना पर पुनर्विचार करना और लचीलेपन एवं सतत सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक संशोधित योजना विकसित करना है। यह जलवायु लचीलेपन के लिए कार्यों को भी मजबूत करेगा, स्थायी आजीविका और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, शासन और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाएगा, और विकास योजना में लैंगिक समानता और सामाजिक समावेश को मुख्यधारा में लाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित जलवायु रणनीतियों को बढ़ावा देना, ज़िम्मेदार पर्यटन को प्रोत्साहित करना और हरित उद्यमिता तथा मूल्यवर्धित स्थानीय उत्पादों के विकास के माध्यम से पर्वतीय समुदायों का समर्थन करना भी है। यह हिमालयी राज्यों और पड़ोसी देशों में संरक्षण और विकास पहलों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग तंत्रों का पता लगाएगा।

इस सम्मेलन का आयोजन संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी), अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन), आईसीएआरएस, आईआईटी रुड़की, राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र (एनसीएससीएम), वेटलैंड्स इंटरेक्शन साउथ एशिया (डब्ल्यूआईएसए) उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूसीओएसटी), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और कई विश्वविद्यालय और गैर सरकारी संगठन शामिल हैं।

हिमालय भारतीय उपमहाद्वीप की पारिस्थितिक रीढ़ है। जैसे-जैसे हम भारत2047 की ओर बढ़ रहे हैं, विकास और पर्यावरणीय अखंडता के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। यह सम्मेलन एक लचीले और टिकाऊ हिमालयी भविष्य के लिए एक मार्ग विकसित करने में मदद करेगा।" इस आयोजन के परिणामों से भूजल और भूमि क्षरण के प्रबंधन के लिए रणनीतियां सामने आने की उम्मीद है, साथ ही जलवायु परिवर्तन के उपायों और कार्रवाई नीतियों को लागू करने, समुदायों को स्थायी आजीविका प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने और जिम्मेदार और टिकाऊ पर्यटन के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने की भी उम्मीद है। यह सम्मेलन एक अद्यतन हिमालयी कार्य योजना के विकास में भी योगदान देगा, जो उभरती चुनौतियों के मद्देनजर क्षेत्र को सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाएगा।

भावनगर रेलवे मंडल के कर्मचारियों ने ₹1.70 लाख कीमत का यात्री का भूलवश छूटा लैपटॉप सुरक्षित लौटाया

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कर्मचारी अपने सम्मानित यात्रियों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। इसी प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण वेरावल स्टेशन पर देखने को मिला, जहाँ एक यात्री का लैपटॉप वाला बैग भूलवश सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में छूट गया था, जिसे रेलवे कर्मचारियों ने अत्यंत ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ सुरक्षित ढूंढ़कर यात्री को लौटा दिया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 10 नवम्बर, 2025 को एक यात्री ट्रेन नंबर 22957 गांधीनगर कैपिटल-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस में बी-1 कोच में

चांदलोडिया से केशोद तक यात्रा किये। केशोद पहुंचने के बाद जल्दबाजी में उनका लैपटॉप वाला बैग, सीट पर हीं भूलवश छूट गया। ट्रेन के प्रस्थान करने के बाद उन्होंने रेलमदद ऐप के माध्यम से रेलवे प्रशासन को सूचित किया। रेलमदद पर सूचना प्राप्त होते हीं रेलवे कर्मचारी हरकत में आ गये। कंट्रोल ओफिस से ट्रेन में कार्यरत टीटीई श्री शम्भू प्रसाद को मैसेज किया गया। सूचना प्राप्त होने पर टीटीई श्री शम्भू प्रसाद ने उक्त कोच के बर्थ पर जाकर देखा तो वहां उनको लैपटॉप वाला बैग मिल गया। इसकी सूचना यात्री को दे दी गई और आवश्यक पूछताछ के पश्चात वेरावल स्टेशन पर यात्री को लैपटॉप सहित बैग सौंप दिया गया।

लैपटॉप सुरक्षित रूप से प्राप्त होने पर यात्री ने रेलवे प्रशासन के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और सभी संबंधित कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने इस सराहनीय कार्य के लिए संबंधित कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि यह कार्य भारतीय रेल की ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं यात्री सेवा की भावना का प्रतीक है।

एनएचआरसी, भारत का दो सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम - नवंबर 2025 से शुरू

देश के विभिन्न भागों और विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आए 900 से अधिक आवेदकों में से विश्वविद्यालय स्तर के 80 छात्रों का चयन

शुरूआती संबोधन में एनएचआरसी के महासचिव श्री भरत लाल ने कहा कि ऑनलाइन इंटर्नशिप के माध्यम से आयोग देश के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचकर मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता का निर्माण कर रहा है

एनएचआरसी महासचिव ने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे गहराई से चिंतन करें, उद्देश्यपूर्ण जीवन जिएं और संवैधानिक आदर्शों को व्यवहार में उतारें तथा न्याय, सहानुभूति एवं गरिमा के दूत बनें

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने नवंबर 2025 के लिए अपना दो सप्ताह का ऑनलाइन अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम (ओएसटीआई) शुरू किया। इस संबंध में कुल 906 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से देश भर के 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से विभिन्न शैक्षणिक विषयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 80 छात्रों को इसमें भाग लेने के लिए चुना गया है। इस इंटर्नशिप का उद्देश्य कॉलेज/विश्वविद्यालय के छात्रों को मानवाधिकारों के संवर्धन और संरक्षण की व्यापक समझ प्रदान

करना है।

अपने शुरूआती संबोधन में एनएचआरसी महासचिव श्री भरत लाल ने कहा कि आयोग अपने अधिदेश के अनुरूप, ऑनलाइन इंटर्नशिप के माध्यम से मानव अधिकार जागरूकता पैदा करने के लिए देश के हर हिस्से तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। इसका उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को मानवाधिकारों को गरिमापूर्ण जीवन मूल्यों के रूप में बनाए रखने के लिए संवेदनशील बनाना, शिक्षित करना और प्रेरित करना है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सम्मान सभी मानवाधिकारों का केंद्र है, उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का इनकार, चाहे वह भेदभाव के माध्यम से हो या बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण, मानव अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे गहराई से चिंतन करें, उद्देश्यपूर्ण जीवन जिएं और संवैधानिक आदर्शों को अपने व्यवहार में उतारें तथा न्याय, सहानुभूति और गरिमा के दूत बनें।

श्री लाल ने कहा कि मानव अधिकार बहुत गतिशील है और समय के साथ विकसित होता रहता है तथा नयी चुनौतियां लेकर आता है। साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), जलवायु, स्वच्छ वायु और जल जैसे मुद्दे मानव अधिकारों को प्रभावित करने वाले नए मुद्दे हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अनुरोध किया कि वे इस अवसर का सर्वोत्तम उपयोग करें और दूसरों के जीवन पर प्रभाव डालकर अपने जीवन को सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण बनाएं तथा एक स्थायी और सकारात्मक छाप छोड़ें।

इंटर्नशिप पाठ्यक्रम का विवरण देते हुए राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की संयुक्त सचिव श्रीमती सैदिंगपुई छकछुआक ने कहा कि 34 विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा 43 सत्रों में प्रशिक्षुओं को अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार, हाथ से मैला ढोने की प्रथा में शामिल लोगों के अधिकार, मानव अधिकार के रूप में मानसिक स्वास्थ्य, किशोर न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षुओं को दिल्ली में तिहाड़ जेल, पुलिस थाना और आशा किरण आश्रय गृह का ऑनलाइन दौरा भी कराया जाएगा ताकि उन्हें उनकी कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी मिल सके। इसके अलावा, पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, मानव अधिकार मुद्दों पर समूह शोध परियोजना प्रस्तुति और भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल वीरेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ता, एंटी सबोटेज (अ.र.), जीआरपी, आरपीएफ, अभिसूचना इकाई, पीएसी एवं अन्य फील्ड यूनिट के साथ सघन चैकिंग अभियान

कमिश्नरेट प्रयागराज में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु चेकिंग एवं सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ता, एंटी सबोटेज (अ.र.), जीआरपी, आरपीएफ, अभिसूचना इकाई, पीएसी एवं अन्य फील्ड यूनिट के साथ सघन चैकिंग अभियान चलाया गया।

- प्रयागराज जंक्शन व अन्य सार्वजनिक/धार्मिक स्थानों पर व्यापक चेकिंग की जा रही है।
- सभी पुलिस उपायुक्तों को अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख स्थानों, संवेदनशील व भीड़-भाड़ वाले एवं राष्ट्रीय महत्व के स्थानों पर पुलिस बल की सक्रियता बढ़ाने एवं लगातार चेकिंग किये जाने के निर्देश दिये गये।
- अन्तरार्जीय/अन्तर्जनपदीय सीमाओं पर चेक पोस्ट बनाकर संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है।
- पुलिस आयुक्त द्वारा आम नागरिकों व स्थानीय दुकानदारों से अपील की गयी कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।
- सभी सहायक पुलिस आयुक्तों व थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर होटलों, ठहरने के स्थानों व सार्वजनिक पार्किंग स्थानों पर संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है।
- सोशल मीडिया सेल द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सतर्क निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना का खंडन किया जा सके।

निर्माण और मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च फिर भी गड्ढों से नहीं मिल पा रहा निजात

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। लोकनिर्माण विभाग सड़कों के निर्माण और मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन फिर भी गड्ढों से निजात नहीं मिल पा रही है।बरसात के मौसम में हल्की बारिश में सड़कों पर जलभराव हो जाता है।कई बार राहगीर गिरकर चोटिल हो जाते हैं। जकरिया बेहटा मार्ग की बदहाल स्थित किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है ग्रामीणों की शिकायत के बाद भी विभाग के कानो मे जू नही रेंग रहा है ।

विभागीय लापरवाही के चलते ग्राम जकरिया से ग्राम बेहटा को जोड़ने के लिए पिपरौली रजबहा की दाहिनी पटरी पर बनाई गयी पक्की सड़क वर्तमान समय मे खस्ताहाल है जगह जगह बने गड्ढे राहगीरों वाहन चालको के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है जिससे किसी भी समय कोई अनहोनी घटना घट सकती है ग्रामीणों की शिकायतों के बाद भी विभाग ध्यान नही दे रहा है सरकार सड़कों के निर्माण और मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन फिर भी गड्ढों से निजात नहीं मिल पा रही है। सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। बारिश से सड़कें खराब होने से लोग हादसों के शिकार होते हैं। एक बार सड़क बनने के बाद खराब होने पर जिम्मेदार न तो सुनते हैं और न ही कोई खबर ली जाती है। लोग गिरते रहें, टूटते रहें, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ता। बरसात के मौसम में हल्की बारिश में सड़क की सड़कों पर जलभराव हो जाता है। इसके बाद यह गड्ढे दिखने बंद हो जाते हैं और सड़कों पर निकलने वाले बाइक सवार इन गड्ढों की चपेट में आकर गिर जाते हैं। कई बार चोटिल भी हो जाते हैं।

गढी मीरापुर निवासी वीरेंद्र कुमार पुत्र मंशाराम ने जिलाधिकारी प्रार्थनापत्र पत्र देकर बदहाल सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

सरदार पटेल का सम्मान नहीं किया. देश के 14 राज्यों ने कहा था - मुख्यमंत्री योगी

(जीएनएस)।

कुर्सी विधानसभा क्षेत्र के झांसा पूर्व में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. हैलीपेड पर उनका स्वागत भाजपा विधायक सकेंद्र और राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने किया। कार्यक्रम सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया है. सीएम योगी पहले बाबा साहब भीमराव अंबेडकर व सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. इसके अलावा वे विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण भी करेंगे. कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सतर्क है।

जनसभा को संबोधित किया और कहा कि ऐसे लोगों को पहचानिए जो सरकारी योजनाओं का सबसे पहले लाभ लेते हैं और वंदे मातरम् का विरोध करते हैं। मंच पर आते ही उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय के साथ संबोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का युवा कभी विचलित नहीं हुआ। यहां क्रांतिकारी हंसते हुए वंदे मातरम् बोल कर फांसी के फंदे पर झूल जाया करते थे। वह भारत की शान अपनी जान नौछावर कर दिया। यहां के कुछ लोग वंदे मातरम् को विरोध करते हैं। यह तो भारत माता की वंदना है। भारत माता के लिए गाये जाने वाले यह गीत अंतःकरण को जागृत करता है। इसमें तीन देवियों का भाव आता है, दुर्गा, लक्ष्मी और शक्ति के रूप में पूजते हैं। रविंद्र नाथ टैगोर के इस राष्ट्रीय गीत को विरोध किया जा रहा है। अखंडता के इस प्रतीक का विरोध करने वालों को जगह नहीं होनी चाहिए। कोई भी मजहब राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता है।

शत्रु संपत्ति भारत के नागरिकों की।

फतेहपुर 22 किलोमीटर दूर स्थित राजा महमूदाबाद पर मुख्यमंत्री ने कटाक्ष चेक करते हुए बोला आंखें को खोलने वाला भी होना चाहिए। सिक्लरिश्तों की आंखों में धुला झोंकी हुई उनको बताए । इतना ही नहीं महमूदाबाद स्टेट को शत्रु संपत्ति बताते हुए कहा कि ये महमूदाबाद का नवाब (राजा) मुस्लिम लीग का कोषाध्यक्ष था. इसने पाकिस्तान बनवाने में बड़ा सहयोग दिया था आज इसकी सारी संपत्ति शत्रु संपत्ति है। इस संपत्ति पर किसी का आधिकार नहीं है। पाकिस्तान की दुर्गति के बाद भले ही उनके परिवार के वशज भारत में रहने का ठिकाना नहीं मिल रहा। सीएम यहीं नहीं रुके, उन्होंने सरदार पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि हैदराबाद का निजाम और जूनागढ़ का नवाब अपनी स्टेट को पाकिस्तान में मिलाना चाहते थे, लेकिन सरदार पटेल ने इनको समझाया तो ये लोग पाकिस्तान चले गए।

विकास की बहाई गंगा

विकास को लेकर कहा कि यहां किसान खूब तरक्की कर रहा है. हमने मेंथा की फसल में 18% जीएसटी घटाकर 5% कर दिया है रामसनेही घाट में 232 एकड़ का इंडस्ट्रियल एरिया का निर्माण कराए जाने की घोषणा की। इसके अलावा हैदरगढ़ विधानसभा के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे 100 एकड़ में इंडस्ट्रियल और स्किल डेवलपमेंट के विकास के निर्माण करवाया जाएगा।

कांग्रेस व सपा वार

कांग्रेस ने कभी सरदार पटेल का सम्मान नहीं किया. देश के 14 राज्यों ने कहा था सरदार पटेल को देश का प्रधानमंत्री बना दो. लेकिन इन लोगों ने नहीं बनने दिया. ये परिवार की राजनीति करने वाले लोग हैं. जातीय राजनीति, परिवार की राजनीति, मजहब की राजनीति और विभाजनकारी नीतियों जैसी बातों को कतई स्वीकार नहीं करना चाहिए।

लाभार्थियों को सम्मानित

मुख्यमंत्री फतेहपुर के झांसा पुरवा में पहुंचे। दिव्यांग, वित्त पोषण योजना के लाभार्थी, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी के दो युवा को सम्मानित किया। दो छात्राओं को स्कूल बैग किट दिया। आर्गेनिक फार्मिंग किसान, समूह की चार महिलाएं, दो आवास के लाभार्थी, मत्स्य पालक और बाल विज्ञानी पूजा पाल को सीएम ने सम्मानित किया।

5 रुपए के हिसाब पर बाजार में मारपीट, मीरपुर बिलासपुर के टोड़ी लाल गंभीर घायल - दुकानदार समेत 4 पर एफआईआर, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

पीलीभीत के करेली थाना क्षेत्र के तिलछी चौराहे पर एक छोटे से विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। 5 रुपए के हिसाब को लेकर दुकानदार से बहस के दौरान मीरपुर बिलासपुर निवासी टोड़ी लाल बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने घटना में शामिल 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच तेज कर दी।

जानकारी के मुताबिक, टोड़ी लाल तिलछी बाजार में एक दुकान से सामान खरीदने गए थे। बिल चेक

करने पर 5 रुपए का विवाद हो गया। दुकानदार से तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। इसी बीच टोड़ी लाल का बेटा भी मौके पर पहुंचा। दुकानदार के साथ उसके साथी भी आ गए, जिससे मामला हाथापाई में बदल गया। हमलावरों ने टोड़ी लाल पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

टोड़ी लाल के बेटे ने थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें दुकानदार व उसके 3 साथियों पर हमला करने का आरोप लगाया। करेली थाना प्रभारी विपिन शुक्ला ने पुष्टि की, "बाजार में हिसाब-किताब के झगड़े में एक व्यक्ति घायल हुआ। क्ढउ की धारा 323 (मारपीट), 504 (अपमान) समेत अन्य धाराओं में 4 नामजदों पर केस दर्ज है। घायल की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई होगी।" पुलिस ने चश्मदीदों से पूछताछ शुरू कर दी है।

युवक से की लूटपाट, विरोध पर पीटा, बांधकर सड़क किनारे डाला

(जीएनएस)।

पीलीभीत के दियोरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के लूट की वारदात से सनसनी फैल गई। बदमाशों ने बाइक सवार युवक से साढ़े 12 हजार रुपये लूट लिए। विरोध पर उसे पीटा और बांधकर सड़क किनारे डाल दिया। इसके बाद बदमाश भाग निकले।

पीलीभीत के दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपरड्या निवासी संजीव कुमार से मंगलवार तड़के दो बदमाशों ने 12,500 रुपये लूट लिए। विरोध करने पर पीटा और बांध कर सड़क किनारे डाल दिया। वारदात के बाद बदमाश भाग निकले।

गांव पिपरइया निवासी संजीव कुमार वर्मा ने बताया कि वह मंगलवार को सुबह 6:30 बजे जंगल पार स्थित गांव नौगमा बाइक से जा रहे थे। जंगल में पुलिया के पास दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। बदमाशों ने उनसे 12500 रुपये लूट लिए। संजीव कुमार ने छीना-झपटी के दौरान एक बदमाश के गाल पर तमाचा मार दिया, जिससे बदमाश के मुंह से खून बहने लगा।इससे

बौखलाए बदमाशों ने संजीव की डंडों से पिटाई की और बाइक में बंधी रस्सी से संजीव को बांधकर डाल दिया। वारदात के बाद बदमाश जंगल में चले गए। बदमाशों ने संजीव को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर दुष्परिणाम भुगतने की धमकी भी दी।

ग्रामीणों ने पीड़ित को कराया बंधन मुक्त

करीब एक घंटा बाद पिपरड्या के ही कुछ ग्रामीण उधर से गुजरे तब संजीव ने आवाज देकर उन्हें अपने पास बुलाया। ग्रामीणों ने संजीव को बंधन मुक्त किया। संजीव ने ग्रामीणों को पूरे मामले की जानकारी दी। मामला जानकारी में आते ही कोतवाली पुलिस ने गांव पहुंचकर संजीव से पूरे मामले की जानकारी ली।

पुलिस ने पीड़ित संजीव को ले जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और बदमाशों की काफी दूर तक तलाश की लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। संजीव ने पुलिस को बताया कि दोनों बदमाश नई उम्र के थे। अभी संजीव ने पुलिस में तहरीर नहीं दी है।

पीलीभीत में माधवपुर फीडर से छेड़छाड़:लाइनमैन ने दी तहरीर, पुलिस मामले की जांच में जुटी

(जीएनएस)।

पीलीभीत के दियोरिया कला क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा बिजली व्यवस्था से छेड़छाड़ की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। 11 केवी माधवपुर फीडर की बिजली लाइन को कई बार जानबूझकर बाधित किया गया है, जिससे क्षेत्र के लगभग 35 गांवों की विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

विद्युत विभाग के लाइनमैन वीरेश कुमार ने 11 नवंबर को दियोरिया कला थाना प्रभारी को एक लिखित शिकायत दी है। इसमें बताया गया है कि अज्ञात लोगों द्वारा रात के समय विद्युत लाइन में छेड़छाड़ की जा रही है। विशेष रूप से, माधवपुर फीडर की

लाइन मुंडिया भगवन्तपुर पुलिया से बेकनिया दीक्षित नहर के बीच बाधित की जा रही है।

विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, 16, 18, 26 और 30 अक्टूबर 2025 की रातों में भी अलग-अलग समय पर यह लाइन ब्रेकडाउन हुई थी। इन घटनाओं के कारण ग्रामीणों को कई घंटों तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें भारी परेशानी हुई।

बिजली विभाग ने पुलिस प्रशासन से इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। प्रभारी निरीक्षक दिगंबर सिंह ने पुष्टि की है कि लाइनमैन द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पात्र महिला को नहीं मिला आवास: प्रधान ने बजट जारी होने पर आवंटन का आश्वासन दिया, मिलेगी राहत

(जीएनएस)।

पीलीभीत के थाना गजरौला कला क्षेत्र के गाँव मुड़ेला कला निवासी रानी देवी, रामचंद्र की पत्नी, आवास योजना की पात्र लाभार्थी होने के बावजूद अब तक सरकारी मकान से वंचित हैं।

रानी देवी का परिवार अत्यंत गरीब है। उनके दो बेटे हैं और पति रामचंद्र खेती-बाड़ी व मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पूरा परिवार एक कच्चे मकान में रहने को मजबूर है।

रानी देवी ने बताया कि उन्होंने सरकारी आवास के लिए कई बार ग्राम प्रधान से लेकर उच्च अधिकारियों तक आवेदन किया है। हालांकि, उनकी शिकायत पर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

ग्राम प्रधान प्रेमवती ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि रानी देवी आवास योजना की पात्र लाभार्थी हैं और उनका आवेदन स्वीकृत हो चुका है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से बजट जारी होते ही रानी देवी को आवास आवंटित कर दिया जाएगा।

टीम लखनऊ ने उत्तराखंड के जरूरतमंदों के लिए भेजा राहत सामग्री भरा ट्रक

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के मुख्य प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी नदवी ने दिखाई हरी झंडी

तीन राज्यों में जरूरतमंदों की मदद करके टीम लखनऊ ने किया अपने शहर का नाम रोशन

लखनऊ।टीम लखनऊ ने पंजाब और हिमांचल प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों को ऐतिहासिक मदद करने के उपरांत आज उत्तराखंड के जरूरतमंदों के लिए 10 टन राहत सामग्री से भरा ट्रक इंद्रानगर स्थित पीस एजुकेशनल चैरिटीबल ट्रस्ट के कार्यालय से रवाना किया।इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के मुख्य प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी नदवी ने टीम लखनऊ के सचिव मुर्तजा अली,अब्दुल वहीद,जुबैर अहमद,वामिक खान,कुदरत खान,इरफान शेख,मो सईक एवं पी सी कुरील,परवेज अख़्तर,गुलाम हुसैन,आमिर मुख़्तार आदि की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर

टीम लखनऊ के सचिव मुतुर्जा अली ने बताया कि दो बार पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों के लिए टीम लखनऊ के जांबाज समाजसेवी मुर्तजा अली,अब्दुल वहीद,जुबैर अहमद,वामिक खान,कुदरत खान,जश्बीर गांधी,इरफान शेख आदि ने वहां जाकर अपने अपने हाथों से बाढ़ पीड़ितों तक मदद पहुंचाई थी और अब उत्तराखंड के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए टीम लखनऊ द्वारा पिछले कई दिनों से लगातार रात ओ दिन मेहनत की जा रही थी।पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाद उत्तराखंड के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए और इस मुहिम को सफल बनाने के लिए लखनऊ की 26 सामाजिक संस्थाओं ने टीम लखनऊ का दिल खोलकर सहयोग किया है।टीम लखनऊ के जांबाज समाज सेवियों ने अपने खिदमत ए खलक के बेमिसाल जज्बे से लखनऊ को अदब के शहर के साथ साथ पूरी दुनियां में खिदमत के शहर के नाम से मशहूर कर दिया।इस मौके पर टीम लखनऊ के सरपरस्त मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली,निगहत खान और मुरलीधर आहूजा ने कहा कि मानवता के लिए टीम लखनऊ हमेशा कार्य करती रहेगी।

गुड हेल्थ केयर सोसाइटी ने काकोरी में लगाया भव्य निःशुल्क चिकित्सा शिविर

आईएएस धीरेन्द्र सिंह सचान ने किया स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

स्वास्थ्य शिविर में 1500 से भी अधिक मरीजों की हुई निशुल्क जांच,दी गई मुफ्त दवा दवाइयां

डॉक्टरों और समाजसेवियों को किया गया सम्मानित

लखनऊ।उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की सामाजिक संस्था गुड हेल्थ केयर सोसाइटी के तत्वाधान में काकोरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरगद तला काकोरी में एरा हॉस्पिटल,टी एस मिश्रा हॉस्पिटल,अपोलो मैक्स केयर हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट,काकोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं डॉ हैनीमैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ आदर्श त्रिपाठी सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

गया इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा हर मर्ज का इलाज किया गया एवं ई.सी.जी, समेत पैथोलॉजिकल टेस्ट आंखों की जांच दांतों की जांच होम्योपैथिक चिकित्सा,योग, और नेचुरोपैथी अल्ट्रासाउंड एक्स-रे, थायराइड और ब्लड के सभी टेस्ट किए गए।गुड हेल्थ केयर सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ निदा फातिमा ने रात दिन की मेहनत से संस्था के पदाधिकारी डॉ॰ आरिफ खान, फैजुल सिद्दीकी,डॉ॰ शाइका, रिजवान खान, डॉ॰ शारिक के साथ मिलकर कार्यक्रम को अंजाम दिया।

गुड हेल्थ केयर सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ॰ निदा फातिमा और उनकी पूरी टीम द्वारा को लगाए गए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के लिए सभी ने पूरी टीम को शुभकामनायें दीं।

देश विदेश में प्रख्यात एंकर आसिम काकोरवी के बेहतरीन मंच संचालन में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आई.ए.एस, धीरेन्द्र सिंह सचान अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी अब्दुल वहीद,परवेज अख़्तर,वफा अब्बास,सैय्यद गुलाम हुसैन उपस्थित रहे।

साथ ही समाजसेवी, चिकित्सक,अधिवक्ता, पत्रकार, कलाकार, साहित्यकार और काकोरी और लखनऊ के तमाम संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

सभी ने डॉक्टर निदा फातिमा के सराहनीय प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की।कार्यक्रम के अन्त में डॉक्टर निदा फातिमा ने आए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।